NH Debate - 16

छूने दो आसमान

"छूने दो आसमान" ND टीवी इंडिया के इस कार्यक्रम में 14 वर्ष से कम उम्र के कामगार बच्चों की कहानियां दिखा रहा है| लेकिन इससे ये समझ नहीं आ रहा कि इन बच्चों की कहानियों को देख 14 साल से कम उम्र के बच्चे क्या सीखेंगे.....यही कि 14 साल से छोटी उम्र में मजदूरी करना गैर-कानूनी नहीं है? हमारे देश में मजबूरी में अपनी इच्छा से काम करने वाले बच्चे कम हैं जबकि 90% से ज्यादा अपनी इच्छा के विरुद्ध मजदूर बनाये जाते हैं| तो क्या वो 90% जब इस कार्यक्रम जिसमें कि इन कहानियों को एक heroic रूप *(हालाँकि वो हीरो हैं क्योंकि वो इतनी कम उम्र में देश का भार उठा रहे हैं, लेकिन उनकी इस मजबूरी को ख़त्म करना है promote नहीं)* दे के पेश किया जा रहा है जिससे कि वो 90% बच्चे उनकी मजबूरी व् अनिच्छा को स्वीकृति देना सीखेंगे और प्रेरणा लेंगे कि कल मेरी कहानी भी टीवी पर आये इसलिए मैं इस कार्य को छोड़ने के बजाये और भी जोर-शोर से करूँ| अपनी सोच को ब्रेक लगाओ ND टीवी की इस कार्यकम की टीम वालो और ऐसे तरीके और पहलु निकाल के लाओ जिनकी वजह से ये बच्चे बाल-मजदूरी करते हैं| हमारे सिस्टम की नाकामी इसका सबसे बड़ा कारण है सो इस नाकामी से जुड़े हुए उन पहलुओं जो कि बाल-मजदूरी की जड़ होते हैं उनको दिखाओगे तो कुछ बात बनेगी| इस कार्यक्रम में अमीर घरों में बच्चों को काम करते हुए दिखाया जा रहा है जिससे कि पहले से ही कुंद्ध अमीर तबका भी ऐसे बच्चों से काम करवाना बंद ना करवा के जारी रखने का बहाना ढूंढेगा|

Nidana Heights